14 / 12 / 78 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

अपने संकल्पो को बाप समान बनाने का अनुभव

➢➢ सर्वशक्तिमान पिता की संतान

➽ _ ➽ मैं आत्मा मस्तक सिंहासन पर विराजमान हूं

→ बड़े प्यार से अपने प्राण प्यारे बाबा को याद कर रही हूं...

→ बाबा की याद में लवलीन...

→ बाबा की याद मेरे चारों ओर सुरक्षा घेरा है...

→ इस घेरे में मेरी रूह विराजमान है...

■ एकदम सुरक्षित सर्व विघ्नों से मुक्त आत्मा

➽ _ ➽ मैं बाबा का अमूल्य रत्न हूं, गले का हार हूं

→ मैं बाबा के दिलतख्त पर विराजमान आत्मा हूं...

→ नयनों का सितारा, सिरताज हूं...

→ अब मैं बेसहारा नही हूं, अकेली नही हूं...

→ कोई प्रश्न नहीं, प्रश्नों के पार हूं...

■ स्वयं भगवान मेरे पिता हैं, मेरे साथी हैं...

➢➢ बाबा ने मुझे मेरा आत्मिक स्वरूप दिखाया है

➽ _ ➽ इस स्वरूप से मुझे अंगीकार कराया है...

→ मेरा यह विचित्र चित्र है...

→ यह मेरा डबल लाइट स्वरूप है...

→ कर्म में निम्मित भाव का स्वरूप...

→ सेकंड में हाई जम्प लेने वाला स्वरूप...

■ इस स्वरूप में रहना अर्थात विघ्नों से पार रहना...

➽ _ ➽ ये मेरे पूरे कल्प के समर्थवान दिन हैं...

→ सारे कल्प के सम्पत्ति वान, भाग्यवान दिन...

→ सुख के दिन, प्राप्तियों के दिन...

→ भाग्यविधाता के संग के दिन...

→ कल्याणकारी दिन हैं...

■ कल्याणकारी पिता इस समय साथ हैं...

➢➢ व्यर्थ से दूर समर्थी का खेल खेल रही हूं

➽ _ ➽ हर समय निश्चय और निश्चिंत आत्मा हूं...

→ दिलशिकस्त से दिलखुश बन गई हूं...

→ मेरा जीवन सर्व अनुभूति सम्पन्न...

→ चढ़ती कला का जीवन है...

→ कहीं कोई विस्मृति नही है...

■ यह जीवन बाप से मिलन मनाने का जीवन है...

➽ _ ➽ मैं अपने संकल्पो की भी ट्रस्टी बन गई हूँ...

→ जो बाप के वह मेरे संकल्प...

→ ऐसे मन, बुद्धि, संस्कार में समान आत्मा...

→ बापदादा के समीप आत्मा...

→ व्यर्थ संकल्पो को स्वाहा करने वाली आत्मा हूं...

■ मैं बापदादा को सदा समर्थ संकल्पो रूपी फलों का भोग लगाने वाली आत्मा बन गयी हूं...

➳ _ ➳ बाबा की सदा सहयोगी सहजयोगी आत्मा हूं...

→ विघ्नमुक्त आत्मा हूं...

■ करनकरावनहार बाबा के साथ अब मैं अन्य आत्माओं को भी समर्थ बना रही हूं...

■ हिम्मत और उल्लास द्वारा उनको भी ऊपर उठा रही हूँ...

■ जो मुझे मिला है उसकी प्राप्ति कराने में उनकी सहयोगी बन रही हूं...

■ हम सब आत्मायें मिलकर अब विश्व को भी समर्थ बनाने में लग गए हैं...